[This question paper contains 6 printed pages.]

**6352** *Your Roll No.* ............

**AS**

**LL.B.**

**V Term**

Paper LB-5032 – BUSINESS REGULATION

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 100*

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

*Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

*टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt* **Five** *questions including Question No.* **1** *which is compulsory.*
**All** *questions carry equal marks.*

*अनिवार्य प्रश्न क्रमांक* **1** *सहित कुल* **पाँच** *प्रश्न कीजिए।*
*सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. Attempt briefly any **four** of the following :–

(a) Write a note on Telecom Regulatory Authority of India

(b) Meaning of 'complaint' under the Consumer Protection Act, 1986

(c) Power of Central Government to cause investigation under Section 15 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951

(d) Concept of Consumer

(e) Chintaman Rao V. State of M.P. (AIR 195/SC 118)

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) भारतीय दूर-संचार नियामक प्राधिकरण पर टिप्पणी लिखिए

(ख) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत 'शिकायत'

(ग) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 15 के अन्तर्गत केन्द्र सरकार की अन्वेषण कारित करने की शक्ति

(घ) उपभोक्ता की संकल्पना

(ङ) *चिन्तामन राव* बनाम *स्टेट ऑफ एम. पी.* (ए आई आर 195/एस सी 118)

2. "The right to practice any profession or to carry on any trade or business does not entitle a citizen to carry on activities which are inherently vicious and pernicious and are condemned by all civilised societies."

Discuss the above statement with reference to decided cases.

"किसी व्यवसाय को करने अथवा किसी व्यापार या कारोबार को करने का अधिकार किसी नागरिक को ऐसे कार्यकलाप करने का हक़दार नहीं बनाता है जो स्वभावत: अनिष्टकर और दुष्ट हों तथा जिनकी भर्त्सना सभी सभ्य समाज करते हों।"

विनिश्चित केसों की सहायता से उपर्युक्त कथन का विवेचन कीजिए।

3. Whether a law creating a State monopoly has to be justified on the ground that restrictions imposed by it are reasonable and are in the interests of the general public ? Can a monopoly be created in favour of individual citizens described as Agents ? Refer decided cases in support of your answer.

क्या राज्य एकाधिकार सृजित करने वाली विधि को इस आधार पर न्यायोचित ठहराना पड़ता है कि इसके द्वारा अधिरोपित निर्बन्धन युक्तियुक्त हैं तथा आम लोगों के हित में हैं ? क्या कोई एकाधिकार एजेन्टों के रूप में वर्णित अलग-अलग नागरिकों के पक्ष में सृजित की जा सकती है ? अपने उत्तर की पुष्टि में विनिश्चित केसों को निर्दिष्ट कीजिए।

4. Discuss the concept of restrictive trade practices with reference to statutory provisions of the M.R.T.P. Act, 1969 and decided cases. How far, the definition of restrictive trade practices is relevant in present context after repeal of the MRTP Act, 1969 ?

P.T.O.

एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 के कानूनी उपबन्धों और विनिश्चित केसों के संदर्भ में अवरोधक व्यापारिक व्यवहार की संकल्पना का विवेचन कीजिए। एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 के निरसन के पश्चात वर्तमान प्रसंग में अवरोधक व्यापारिक व्यवहार की परिभाषा कहां तक सुसंगत है ?

5. Discuss the definition of 'Service' as contained in the Consumer Protection Act, 1986. Explain the difference between a 'contract of service' and a 'contract for services'. Whether medical services rendered at a Hospital/Nursing Home can be regarded as service under Section 2(1)(0) of the Act ?

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में यथा उल्लिखित 'सेवा' की परिभाषा का विवेचन कीजिए। 'सेवा की संविदा' और 'सेवा हेतु संविदा' के बीच भिन्नता को स्पष्ट कीजिए। क्या अस्पताल/नर्सिंग होम में की गई चिकित्सा सेवा को उक्त अधिनियम की धारा 2(1)(0) के अन्तर्गत सेवा माना जा सकता है ?

6. When can the Central Government takeover the management of an industrial undertaking under Section 18AA of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951. Whether it is necessary to observe rules of natural justice before issuing a notified order under section 18AA of the Act or whether the provisions of

Section 18AA or 18F impliedly exclude rules of natural justice relating to prior hearing ?

उद्योग (विकास और विनियम) की धारा 18AA के तहत केन्द्र सरकार किसी औद्योगिक उपक्रम के प्रबन्ध को कब ग्रहण कर सकती है ? क्या उक्त अधिनियम की धारा 18AA के अन्तर्गत अधिसूचित आदेश के जारी किए जाने से पहले नैसर्गिक न्याय के नियमों का अनुपालन किया जाना आवश्यक है अथवा क्या धारा 18AA या 18F के उपबन्ध पूर्व सुनवाई के सम्बन्ध में नैसर्गिक न्याय के नियमों का विविक्षितत: अपवर्जन करते हैं ?

7. "Though patent injustice to the producer is not to be encouraged, a reasonable return on investment or a reasonable rate of profit is not the *sine qua non* of the validity of the action taken in furtherance of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955."

Examine the validity of the above statement with reference to decided cases.

"यद्यपि उत्पादक के प्रति खुले अन्याय को प्रोत्साहित नहीं किया जाना है तथापि निवेश पर युक्तियुक्त प्राप्ति या युक्तियुक्त दर पर लाभ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में की गई कारवाई की विधिमान्यता की आवश्यक अपेक्षा नहीं है।"

उपर्युक्त कथन की विधिमान्यता की जांच विनिश्चित केसों के संदर्भ में कीजिए।

P.T.O.

8. Write notes on any **two** of the following :–

(i) Abuse of dominant position

(ii) Competition Commission of India

(iii) Consumer Disputes Redressal Agencies

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियां लिखिए :-

(i) अधिष्ठायी स्थिति का दुरुपयोग

(ii) भारत का प्रतिस्पर्धा आयोग

(iii) उपभोक्ता विवाद प्रतितोष एजेन्सियां